34.0°
अधिकतम
21.2°
न्यूनतम
www.twitter.com/
worldkhabarexpress
www.facebook.com/
worldkhabarexpress
www.youtube.com/
worldkhabarexpress

WORLD
खबर एक्सप्रेस

सीएसए द्वारा अंगीकृत प्राथमिक विद्यालय में नन्हे मुन्नों को बताए स्वच्छता के नियम

वर्ल्ड खबर एक्सप्रेस

कानपुर: कुलाधिपति एवं राज्यपाल उत्तर प्रदेश आनंदी बेन पटेल के निर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत नवीन प्राथमिक पाठशाला रावतपुर कानपुर में कृषि वैज्ञानिकों ने व्यक्तिगत व सामाजिक स्वच्छता के बारे में जानकारी देते हुए छात्र-छात्राओं को स्वच्छता के लाभ व सामाजिक स्वच्छता कैसे बनाए रखें के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर कानपुर देहात की गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने बच्चों को जानकारी देते हुए कहा कि व्यक्तिगत स्वच्छता महत्वपूर्ण है क्योंकि यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। स्वच्छता के माध्यम से व्यक्ति अपने शरीर को कीटाणु, बैक्टीरिया और वायरस से बचा सकता है। स्वच्छ रहने से संक्रमण का खतरा कम होता है और रोगों से बचाव से मदद मिलती है। उन्होंने बताया कि

स्वच्छ रहेंगे तो त्वचा स्वस्थ और चमकदार बनी रहेगी। स्नान, हाथ धोना, शरीर को रगड़कर साफ करने से त्वचा के कीटाणु और धूल-मिट्टी हट जाती है और त्वचा को ताजगी मिलती है। इसके लिए नियमित स्नान करे,हाथ धोते रहें।

साफ कपड़े पहनें,नाखून काटें,दांतों की सफाई: स्वच्छ वातावरण बनाएं जैसे कि घर, कार और अपने काम के स्थान को। मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि व्यक्तिगत स्वच्छता के साथ साथ अपने वातावरण को भी स्वच्छ रखना हमारी जिम्मेदारी है, इसलिए प्लास्टिक वह पॉलिथीन का प्रयोग कम से कम करना चाहिए। ये चीजें बायोडिग्रेडेबल नहीं होती है मतलब जल्दी सड़ती नहीं है जिससे कि पशुओं के द्वारा इनका सेवन करने से उनकी मृत्यु तक हो जाती है, इसके अलावा यह नाली - नाले में इकट्ठा होकर पानी के निपटान में बाधा उत्पन्न करते हैं जिससे गंदे पानी में मच्छर पनपते हैं और डेंगू ,मलेरिया, चिकनगुनिया इत्यादि बीमारियां फैलती हैं।कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री गोपाल मिश्रा ने बच्चों से कहा की विद्यालय साफ रखने की भी जिम्मेदारी हमारी ही है। कार्यक्रम में विद्यालय के कक्षा 5 तक के 45 बच्चे उपस्थित थे। बाद में सभी बच्चों को बिस्कुट का वितरण किया गया।

व्यक्तिगत स्वच्छता के साथ-साथ अपने वातावरण को भी स्वच्छ रखना हमारी जिम्मेदारी

सीएसए द्वारा अंगीकृत प्राथमिक विद्यालय में नन्हे मुन्नों को बताए स्वच्छता के नियम

डीटीएनएन। कानपुर

कुलाधिपति एवं राज्यपाल उत्तर प्रदेश आनंदी बेन पटेल के निर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत नवीन प्राथमिक पाठशाला रावतपुर कानपुर में कृषि वैज्ञानिकों ने व्यक्तिगत व सामाजिक स्वच्छता के बारे में जानकारी देते हुए छात्र-छात्राओं को स्वच्छता के लाभ व सामाजिक स्वच्छता कैसे बनाए रखें के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर कानपुर देहात की गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने बच्चों को जानकारी देते हुए कहा कि व्यक्तिगत स्वच्छता महत्वपूर्ण है क्योंकि यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है7 स्वच्छता के माध्यम से व्यक्ति अपने शरीर को कीटाणु, बैक्टीरिया और वायरस से बचा सकता है। स्वच्छ रहने से संक्रमण का खतरा कम होता है और रोगों से बचाव से मदद मिलती है। उन्होंने बताया कि

स्वच्छ रहेंगे तो त्वचा स्वस्थ और चमकदार बनी रहेगी। स्नान, हाथ धोना, शरीर को रगड़कर साफ करने से त्वचा के कीटाणु और धूल-मिट्टी हट जाती है और त्वचा को ताजगी मिलती है। इसके लिए नियमित स्नान करे,हाथ धोते रहें, साफ कपड़े पहनें,नाखून काटें,दांतों की सफाई स्वच्छ वातावरण बनाएं जैसे कि घर, कार और अपने काम के स्थान को। मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि व्यक्तिगत स्वच्छता के साथ साथ अपने वातावरण को भी स्वच्छ रखना हमारी जिम्मेदारी है, इसलिए प्लास्टिक वह पॉलिथीन का प्रयोग कम से कम करना चाहिए। ये चीजें बायोडिग्रेडेबल नहीं होती है मतलब जल्दी सड़ती नहीं है जिससे कि पशुओं के द्वारा इनका सेवन करने से उनकी मृत्यु तक हो जाती है, इसके अलावा यह नाली - नाले में इकट्ठा होकर पानी के निपटान में बाधा उत्पन्न करते हैं जिससे गंदे पानी में मच्छर पनपते हैं और डेंगू ,मलेरिया, चिकनगुनिया इत्यादि बीमारियां फैलती हैं।कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री गोपाल मिश्रा ने बच्चों से कहा की विद्यालय साफ रखने की भी जिम्मेदारी हमारी ही है। कार्यक्रम में विद्यालय के कक्षा 5 तक के 45 बच्चे उपस्थित थे। बाद में सभी बच्चों को बिस्कुट का वितरण किया गया।

दैनिक जागरण 04/09/2024

स्कूल में बच्चों को स्वच्छता का महत्व बताया

कानपुर : सीएसए के विज्ञानियों ने नवीन प्राथमिक पाठशाला रावतपुर में बच्चों को स्वच्छता का महत्व बताया। इस विद्यालय को विश्वविद्यालय ने कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के निर्देश पर गोद ले रखा है। कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर, गृह विज्ञान विशेषज्ञ डा. निमिषा अवस्थी ने शारीरिक स्वच्छता के बारे में और मृदा वैज्ञानिक डा. खलील खान ने बच्चों को पालिथिन प्रयोग के दुष्प्रभाव के बारे में बताया। वि.

हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

अंक-246 बुधवार, 04 सितंबर 2024 लखनऊ व एटा से प्रकशित R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715 पृष्ठ- 4

सीएसए द्वारा अंगीकृत प्राथमिक विद्यालय में नन्हे मुन्नों को बताए स्वच्छता के नियम

अनवर अशराफ

कानपुर। कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदी बेन पटेल जी के निर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत नवीन प्राथमिक पाठशाला रावतपुर कानपुर में कृषि वैज्ञानिकों ने व्यक्तिगत व सामाजिक स्वच्छता के बारे में जानकारी देते हुए छात्र-छात्राओं को स्वच्छता के लाभ व सामाजिक स्वच्छता कैसे बनाए रखें के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर कानपुर देहात की गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने बच्चों को जानकारी देते हुए कहा कि व्यक्तिगत स्वच्छता महत्वपूर्ण है क्योंकि यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है/ स्वच्छता के माध्यम से व्यक्ति अपने शरीर को कीटाणु, बैक्टीरिया और वायरस से बचा सकता है। स्वच्छ रहने से संक्रमण का खतरा कम होता है और रोगों से बचाव से मदद मिलती है। उन्होंने बताया कि

स्वच्छ रहेंगे तो त्वचा स्वस्थ और चमकदार बनी रहेगी। स्नान, हाथ धोना, शरीर को रगड़कर साफ करने से त्वचा के कीटाणु और धूल-मिट्टी हट जाती है और त्वचा को ताजगी मिलती है। इसके लिए नियमित स्नान करे,हाथ धोते रहें,

साफ कपड़े पहनें,नाखून काटें,दांतों की सफाई

स्वच्छ वातावरण बनाएं जैसे कि घर, कार और अपने काम के स्थान को। मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि व्यक्तिगत स्वच्छता के साथ साथ अपने वातावरण को भी स्वच्छ रखना हमारी जिम्मेदारी है, इसलिए प्लास्टिक वह पॉलिथीन का प्रयोग कम से कम करना चाहिए। ये चीजें बायोडिग्रेडेबल नहीं होती है मतलब जल्दी सड़ती नहीं है जिससे कि पशुओं के द्वारा इनका सेवन करने से उनकी मृत्यु तक हो जाती है, इसके अलावा यह नाली - नाले में इकट्ठा होकर पानी के निपटान में बाधा उत्पन्न करते हैं जिससे गंदे पानी में मच्छर पनपते हैं और डेंगू ,मलेरिया, चिकनगुनिया इत्यादि बीमारियां फैलती हैं।कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री गोपाल मिश्रा ने बच्चों से कहा की विद्यालय साफ रखने की भी जिम्मेदारी हमारी ही है। कार्यक्रम में विद्यालय के कक्षा 5 तक के 45 बच्चे उपस्थित थे। बाद में सभी बच्चों को बिस्कुट का वितरण किया गया।

कभी प्रतिकूलता आती है। इस मौके पर कभी लाभ होता है। तो कभी हानि भी होती है

हिंदुस्तान 04/09/2024

स्वच्छता से बढ़ती है रोग प्रतिरोधक क्षमता

कानपुर। सीएसए की ओर से गोद लिए रावतपुर स्थित नवीन प्राथमिक पाठशाला में कार्यशाला हुई। कृषि वैज्ञानिकों ने छात्रों को स्वच्छता के लाभ व सामाजिक स्वच्छता की जानकारी दी। डॉ. निमिषा अवस्थी ने कहा व्यक्तिगत स्वच्छता जरूरी है। डॉ. खलील खान ने बताया प्लास्टिक का प्रयोग कम करें। ये बायोडिग्रेडेबल नहीं होती है, जिससे प्रदूषण संग.पशुओं के जीवन पर खतरा है।

अमर उजाला 04/09/2024

स्वच्छता से बढ़ती रोग प्रतिरोधक क्षमता

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) की ओर से गोद लिए रावतपुर स्थित नवीन प्राथमिक पाठशाला में कार्यशाला हुई। डॉ. निमिषा अवस्थी ने कहा कि व्यक्तिगत स्वच्छता जरूरी है, क्योंकि यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। स्वच्छ रहेंगे तो त्वचा स्वस्थ और चमकदार बनी रहेगी। डॉ. खलील खान ने बताया कि प्लास्टिक का प्रयोग कम से कम करें। गंदगी से अनेक तरह के संक्रामक रोग बढ़ते हैं। विद्यालय में उपस्थित 45 बच्चों को बिस्किट भी वितरित किया गया। (ब्यूरो)

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 16 अंक : 65 कानपुर, बुधवार 04 सितम्बर 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

अंगीकृत प्राथमिक विद्यालय में नन्हे-मुन्नों को बताए स्वच्छता के नियम

कानपुर । कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल के निर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय ने अंगीकृत नवीन प्राथमिक पाठशाला रावतपुर में कृषि वैज्ञानिकों ने व्यक्तिगत व सामाजिक स्वच्छता के बारे में जानकारी देते हुए छात्र-छात्राओं को स्वच्छता के लाभ व सामाजिक

स्वच्छता कैसे बनाए रखें के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर कानपुर देहात की गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने बच्चों को जानकारी देते हुए कहा कि व्यक्तिगत स्वच्छता महत्वपूर्ण है क्योंकि यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है7 स्वच्छता के माध्यम से व्यक्ति अपने शरीर को कीटाणु, बैक्टीरिया और वायरस से बचा सकता है। स्वच्छ रहने से संक्रमण का खतरा कम होता है और रोगों से बचाव से मदद मिलती है। उन्होंने बताया कि स्वच्छ रहेंगे तो त्वचा स्वस्थ और चमकदार बनी रहेगी। स्नान, हाथ धोना, शरीर को रगड़कर साफ करने से त्वचा के कीटाणु और धूल-मिट्टी हट जाती है और त्वचा को ताजगी मिलती है। इसके लिए नियमित स्नान करे,हाथ धोते रहें,साफ कपड़े पहनें,नाखून काटें,दांतों की सफाई स्वच्छ वातावरण बनाएं जैसे कि घर, कार और अपने काम के स्थान को। मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि व्यक्तिगत स्वच्छता के साथ साथ अपने वातावरण को भी स्वच्छ रखना हमारी जिम्मेदारी है, इसलिए प्लास्टिक वह पॉलिथीन का प्रयोग कम से कम करना चाहिए। ये चीजें बायोडिग्रेडेबल नहीं होती है मतलब जल्दी सड़ती नहीं है जिससे कि पशुओं के द्वारा इनका सेवन करने से उनकी मृत्यु तक हो जाती है, इसके अलावा यह नाली - नाले में इकट्ठा होकर पानी के निपटान में बाधा उत्पन्न करते हैं जिससे गंदे पानी में मच्छर पनपते हैं और डेंगू मलेरिया, चिकनगुनिया इत्यादि बीमारियां फैलती हैं।कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री गोपाल मिश्रा ने बच्चों से कहा की विद्यालय साफ रखने की भी जिम्मेदारी हमारी ही है। कार्यक्रम में विद्यालय के कक्षा 5 तक के 45 बच्चे उपस्थित थे। बाद में सभी बच्चों को बिस्कुट का वितरण किया गया।

सीएसए द्वारा अंगीकृत प्राथमिक विद्यालय में नन्हे मुन्नों को बताए स्वच्छता के नियम

शाश्वत टाइम्स

कानपुर। कुलाधिपति एवं राज्यपाल उत्तर प्रदेश आनंदी बेन पटेल के निर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत नवीन प्राथमिक पाठशाला रावतपुर कानपुर में कृषि वैज्ञानिकों ने व्यक्तिगत व सामाजिक स्वच्छता के बारे में जानकारी देते हुए छात्र-छात्राओं को स्वच्छता के लाभ व सामाजिक स्वच्छता कैसे बनाए रखें के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर कानपुर देहात की गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने बच्चों को जानकारी देते हुए कहा कि व्यक्तिगत स्वच्छता महत्वपूर्ण है क्योंकि यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है7 स्वच्छता के माध्यम से व्यक्ति अपने शरीर को कीटाणु, बैक्टीरिया और वायरस से बचा सकता है। स्वच्छ रहने से संक्रमण का खतरा कम होता है और रोगों से बचाव से मदद मिलती है। उन्होंने बताया कि स्वच्छ रहेंगे तो त्वचा स्वस्थ और चमकदार बनी रहेगी। स्नान, हाथ धोना, शरीर को रगड़कर साफ करने से त्वचा के कीटाणु और धूल-मिट्टी हट जाती है और त्वचा को ताजगी मिलती है। इसके लिए नियमित स्नान करे,हाथ धोते रहें,साफ कपड़े पहनें,नाखून काटें,दांतों की सफाईस्वच्छ वातावरण बनाएं जैसे कि घर, कार और अपने काम के स्थान को। मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि व्यक्तिगत स्वच्छता के साथ साथ अपने वातावरण को भी स्वच्छ रखना हमारी जिम्मेदारी है, इसलिए प्लास्टिक वह पॉलिथीन का प्रयोग कम से कम करना चाहिए। ये चीजें बायोडिग्रेडेबल नहीं होती है मतलब जल्दी सड़ती नहीं है जिससे कि पशुओं के द्वारा इनका सेवन करने से उनकी मृत्यु तक हो जाती है, इसके अलावा यह नाली - नाले में इकट्ठा होकर पानी के निपटान में बाधा उत्पन्न करते हैं जिससे गंदे पानी में मच्छर पनपते हैं और डेंगू ,मलेरिया, चिकनगुनिया इत्यादि बीमारियां फैलती हैं।कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री गोपाल मिश्रा ने बच्चों से कहा की विद्यालय साफ रखने की भी जिम्मेदारी हमारी ही है। कार्यक्रम में विद्यालय के कक्षा 5 तक के 45 बच्चे उपस्थित थे। बाद में सभी बच्चों को बिस्कुट का वितरण किया गया।

सत्य का असर समाचार पत्र

04,09, 2024jksingh,hardoi agmail com मोबाइल नंबर 9956834016

पेज 2

सत्य का असर समाचार पत्र वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

सीएसए द्वारा अंगीकृत प्राथमिक विद्यालय में नन्हे मुन्नों को बताए स्वच्छता के नियम

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल
सत्य का असर समाचार पत्र

मा. कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदी बेन पटेल जी के निर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत नवीन प्राथमिक पाठशाला रावतपुर कानपुर में कृषि वैज्ञानिकों ने व्यक्तिगत व सामाजिक स्वच्छता के बारे में जानकारी देते हुए छात्र-छात्राओं को स्वच्छता के लाभ व सामाजिक स्वच्छता कैसे बनाए रखें के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर कानपुर देहात की गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने बच्चों को जानकारी देते हुए कहा कि व्यक्तिगत स्वच्छता महत्वपूर्ण है क्योंकि यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है| स्वच्छता के माध्यम से व्यक्ति अपने शरीर को कीटाणु, बैक्टीरिया और वायरस से बचा सकता है। स्वच्छ रहने से संक्रमण का खतरा कम होता है और रोगों से बचाव से मदद मिलती है। उन्होंने बताया कि

स्वच्छ रहेंगे तो त्वचा स्वस्थ और चमकदार बनी रहेगी। स्नान, हाथ धोना, शरीर को रगड़कर साफ करने से त्वचा के कीटाणु और धूल-मिट्टी हट जाती है और त्वचा को ताजगी मिलती है। इसके लिए नियमित स्नान करे,हाथ धोते रहें,

साफ कपड़े पहनें,नाखून काटें,दांतों की सफाई

स्वच्छ वातावरण बनाएं जैसे कि घर, कार और अपने काम के स्थान को। मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि व्यक्तिगत स्वच्छता के साथ साथ अपने वातावरण को भी स्वच्छ रखना हमारी जिम्मेदारी है, इसलिए प्लास्टिक वह पॉलिथीन का प्रयोग कम से कम करना चाहिए। ये चीजें बायोडिग्रेडेबल नहीं होती है मतलब जल्दी सड़ती नहीं है जिससे कि पशुओं के द्वारा इनका सेवन करने से उनकी मृत्यु तक हो जाती है, इसके अलावा यह नाली - नाले में इकट्ठा होकर पानी के निपटान में बाधा उत्पन्न करते हैं जिससे गंदे पानी में मच्छर पनपते हैं और डेंगू ,मलेरिया, चिकनगुनिया इत्यादि बीमारियां फैलती हैं।कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री गोपाल मिश्रा ने बच्चों से कहा की विद्यालय साफ रखने की भी जिम्मेदारी हमारी ही है। कार्यक्रम में विद्यालय के कक्षा 5 तक के 45 बच्चे उपस्थित थे। बाद में सभी बच्चों को बिस्कुट का वितरण किया गया।

Forwarded